वर्धमान सभागार लोकार्पित, चिकित्सा केंद्र शुरू

मंदिरों के साथ समाज ऐसे सेवा प्रकल्पों को भी स्थापित करें : मुनिश्री अनुमान सागर महाराज

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 19 अप्रैल. भगवान महावीर निर्माण महोत्सव न्यास द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वर्धमान सभागार का लोकार्पण एवं भगवान महावीर चिकित्सा केंद्र (नियमित ओपीडी) का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम मुनि श्री अनुमान सागर महाराज एवं मुनि श्री वीर्धुव सागर महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त आईएएस आर.के. जैन उपस्थित रहे।

डॉ. विनीता गोधा ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया. संस्था के अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र कुमार गंगवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए अतिथियों का अभिनंदन किया। वहीं न्यास के मंत्री शरद गंगवाल ने बताया कि यह केंद्र समाज के सभी वर्गों को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोरमा पांडया एवं ललित जैन भारती ने किया। आभार व्यक्त संस्था के उपमंत्री धर्मेंद्र जैन द्वारा किया गया! इस अवसर पर मुख्य अतिथि आर के जैन एवं श्रीमती जया जैन का सम्मान अनिल शाह, राजेंद्र वापना, प्रशांत गंगवाल, आदित्य गंगवाल, डॉ. आदर्श दीवान, माधवी शाह, चंदा अजमेरा एवं सोनल जैन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुनि श्री अनुमान सागर महाराज ने कहा कि धर्म केवल पूजा-अर्चना या मंदिर निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि सच्चा धर्म वह है जो मानवता की सेवा में समर्पित हो। उन्होंने कहा कि समाज ने भव्य मंदिरों का निर्माण कर अपनी श्रद्धा को प्रकट किया है, किंतु अब समय की आवश्यकता है कि उसी भाव से सेवा प्रकल्पों की स्थापना भी की जाए, जिससे जरूरतमंद लोगों को सीधा लाभ मिल सके। मुनिश्री ने विशेष रूप से औषधि दान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चार प्रकार के दानों में औषधि दान का विशेष स्थान है।

पंजाब किंग्स का अजेय सफर जारी

मुल्लांपुर, 19 अप्रैल.आईपीएल 2026 का 29वां मुकाबला रविवार को पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जॉयंट्स के बीच खेला गया. इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने 54 रनों से शानदार जीत हासिल की. इस मैच में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था.

पंजाब ने प्रियांश आर्य और कॉनली के तूफानी फिफ्टी के दम पर 254 रन बनाए थे. इसके जवाब में लखनऊ की टीम 5 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी. 255 रनों के जवाब में उतरी लखनऊ को शुरुआत ठीक ठाक मिली थी. मिचेल मार्श और आयुष बडोनी ने 61 रन जोड़ लिए थे. लेकिन फिर छठे ओवर में आयुष अपना विकेट गंवा बैठे. इसके बाद ऋषभ पंत ने मार्श के साथ अच्छी पारी खेली. लेकिन मार्श 40 और पंत 23 गेंद में 43 रन बनाकर आउट हो गए. इनका विकेट गिरते ही लखनऊ की पारी लड़खड़ा गई.

आखिरी ओवरों में एडम मार्करम और मुकुल चौधरी ने कोशिश जरूर की . लेकिन पंजाब की टीम ने इस मैच को आसानी से जीत लिया है. इस जीत के साथ ही 6 मैचों में पंजाब के पास 11 अंक हो गए हैं. वहीं, लखनऊ की टीम 6 मैच में केवल 4 अंक ही बंटोर सकी है. पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी पंजाब की शुरुआत अच्छी नहीं रही. और पहले ही ओवर में शमी ने प्रभसिमरन सिंह का विकेट झटक लिया. लेकिन इसके बाद प्रियांश आर्य और कूपर कॉनली ने तूफान मचा दिया. दोनों ने चंडीगढ़ में छक्के-चौकों की बारिश की. दोनों के बीच कमाल की साझेदारी हुई. लेकिन ये खतरनाक साझेदारी तोड़ी प्रिंस यादव ने जिन्होंने कॉनली का विकेट झटका. लेकिन दोनों के बीच 80 गेंदों में 182 रनों की साझेदारी हुई. कॉनली ने 46 गेंद में 87 रन बनाए और 7 छक्के लगाए. इसके बाद प्रियांश आर्य भी अगले ही ओवर में चलते बने.

स्कोर बोर्ड

पंजाब बल्लेबाजी खिलाड़ी	रन	गेंद	चौके	छक्के
प्रियांश आर्य	93	37	4	9
प्रभसिमरन सिंह	0	1	0	0
कूपर कोनोली	87	46	8	7
श्रेयस अय्यर	5	6	0	0
मार्कस स्टोइनिस	29	16	2	2
नेहल वढेरा	13	7	1	1
शशांक सिंह	17	6	1	2
मार्को जानसन	1	1	0	0

अतिरिक्त 9, **कुल** 20 ओवर में 254/7

लखनऊ गेंदबाजी- मोहम्मद शमी 4-0-56-1, मोहसिन खान 4-0-43-1, प्रिंस यादव 4-0-25-2, आयुष बडोनी 1-0-14-0, आवेश खान 3-0-46-0, मणिमारन सिद्धार्थ 3-0-35-2, एडेन मार्करम 1-0-32-0,

लखनऊ बल्लेबाजी खिलाड़ी	रन	गेंद	चौके	छक्के
मिचेल मार्श	40	28	3	2
आयुष बडोनी	35	21	5	1
ऋषभ पंत	43	23	1	4
निकोलस पूरन	9	9	1	0
एडेन मार्करम	42	22	3	3
मुकुल चौधरी	21	17	1	1
हिम्मत सिंह	1	1	0	0

अतिरिक्त 9, **कुल** 20 ओवर में 200/5

पंजाब गेंदबाजी- अर्शदीप सिंह 4-0-41-1, जेवियर बार्टलेट 4-0-54-0, मार्को जानसन 4-0-37-2, विजयकुमार वैश्य 4-0-30-1, युजवेंद्र चहल 4-0-36-

'अद्वितीय युवा प्रतिभा' सम्मान समारोह में ये हुए अलंकृत

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 19अप्रैल. जेसीआई ग्वालियर' का प्रतिष्ठित एवं लोकप्रिय कार्यक्रम 35 वाँ ग्वालियर रत्न अलंकरण एवं 'अद्वितीय युवा प्रतिभा' सम्मान समारोह आयोजित किया गया । चेयरमेन ग्वालियर रत्न अलंकरण समिति अभिनव सिंघल द्धारा बताया गया कि निम्न विजेताओं का चयन किया गया। ग्वालियर रत्न अलंकरण : निशा शर्मा (व्यक्तिगत विकास एवं उपलब्धि , केटेगरी-9) अद्वितीय युवा प्रतिभा - श्रृष्टि गोयल (शिक्षा एवं शैक्षणिक नेतृत्व , केटेगरी - 3), डॉक्टर रजत लोहिया (चिकित्सा शिक्षा /सेवा , केटेगरी - 10), ज्योति दोहर (संस्कृति एवं सांस्कृतिक क्षेत्र , केटेगरी - 4), क्रांति देवी आर्य (मानवता एवं समाजसेवा , केटेगरी - 7), मोली तिवारी (राजनैतिक , वैधानिक एवं शासकीय सेवा , केटेगरी - 2), नम्रता सक्सेना (विश्व शांति एवं मानव अधिकार , केटेगरी - 6) अमन निगम (व्यापार आर्थिक एवं उद्यम , केटेगरी -1)

जनगणना के लिये तैनात प्रगणकों व सुपरवाइजर्स का दूसरे चरण का प्रशिक्षण शुरू

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 19 अप्रैल. ग्वालियर जिले में जनगणना की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। स्व-गणना शुरू हो चुकी है। साथ ही जनगणना के लिए प्रगणकों एवं सुपरवाइजर को तीन सत्र में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस क्रम में 19 अप्रैल से प्रशिक्षण का दूसरा चरण प्रारंभ हो गया, जो कि 21 अप्रैल तक चलेगा ।

ग्वालियर जिले में जनगणना के लिए तकरीबन 6 हजार कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनिंग का रविवार से दूसरा सत्र प्रारंभ हो गया है। तृतीय चरण में 23 से 25 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन तीनों चरण के माध्यम से शतप्रतिशत प्रगणक व सुपरवाइजर प्रशिक्षित होंगे।

ग्वालियर जिले में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान के नेतृत्व में लगभग 6 हजार अधिकारी-कर्मचारी जनगणना-2027 के कार्य को अंजाम देंगे। इनमें लगभग 5 हजार प्रगणक व 829 पर्यवेक्षक, 41 चार्ज अधिकारी, 42 फील्ड ट्रेनर्स, 4 मास्टर ट्रेनर्स व 9 जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हैं।

स्व-गणना का लाभ उठाने की अपील, दी गई जानकारी रहेगी पूर्णत: गोपनीय

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिलेवासियों से अपील की है कि ग्वालियर जिले के नागरिकों को भी स्व-गणना का अवसर मिला है, आप सब इसका लाभ उठाकर ऑनलाइन स्व-गणना पत्रक अवश्य भरें। एसई वेब पोर्टल के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में कोई भी व्यक्ति जनगणना संबंधी 34 बिंदुओं में अपनी जानकारी स्वयं भर सकता है। कलेक्टर ने यह भी अपील की है किजनगणना के लिये आने वाले प्रगणकों को बेझिझक सही-सही जानकारी दें। आपके द्वारा दी गई जानकारी पूर्णत: गोपनीय रहेगी। साथ ही ऐसा स्पष्ट प्रावधान है कि आपके द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं होगा। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना के आंकड़े कल्याणकारी योजनाओं, संसाधनों के वितरण तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन कार्य के लिये आधार बनते हैं।

हवाई कनेक्टिविटी मिली लेकिन सिटी बस सेवा फाईलों से आगे नहीं बढ़ी

विकास तब तक अधूरा जब तक आम नागरिक का सफर सुरक्षित और सुलभ न हो

संजीव कुमार शर्मा

ग्वालिय 19अप्रैल. एक तरफ जहाँ हवाई सेवाओं के विस्तार को लेकर 'श्रेय' की राजनीति चरम पर है, वहीं दूसरी ओर शहर की लाइफलाइन यानी 'सिटी बस सेवा' फाइलों में ही आगे बढ रही हैं। ग्वालियर को हवाई कनेक्टिविटी मिलना निश्चित रूप से गौरव की बात है, लेकिन यह विकास तब तक अधूरा है जब तक शहर की सड़कों पर चलने वाले आम नागरिक का सफर सुरक्षित और सुलभ न हो।

नव भारत ने ऊर्जा मंत्री का ध्यान इस तरफ आकर्षित कराया कि ग्वालियर में लंबे समय से स्मार्ट सिटी बस की शहरवासी प्रतीक्षा कर रहे हैं और आज भी लोग विक्रम और ई-रिक्शा में जानलेवा सफर कर रहे हैं। ग्वालियर के 99 प्रतिशत लोग हवाई जहाज में सफर नहीं करते 1 प्रतिशत के लिए हवाई यात्रा शुरू हो रही है यह स्वागत योग है लेकिन 99 प्रतिशत का क्या? तो उन्होंने आश्वासन देते हुए

ऊर्जा मंत्री का आश्वासन 'अड़चनें जल्द होंगी दूर'

जब ऊर्जा मंत्री से यह सवाल पूछा गया कि 99 प्रतिशत जनता के स्थानीय परिवहन का क्या तो उन्होंने स्वीकार किया कि परेशानी तो है। मंत्री के मुताबिक 'ग्वालियर के स्थानीय परिवहन को आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट सिटी योजना के तहत बसों का संचालन होना है। कुछ तकनीकी और प्रशासनिक व्यवधान आ रहे हैं, जिन्हें दूर करने का प्रयास जारी है। आप निश्चिंत रहें, जल्द ही बसों का संचालन शुरू होगा।

हुए कहा जल्दी मिलेगी। अब देखना यह है कि ऊर्जा मंत्री का 'जल्द' कब हकीकत में बदलता है, या फिर ग्वालियर की जनता यूँ ही 'अड़चनों' और 'श्रेय की राजनीति' के बीच पिसती रहेगी।

सिंधिया का 'भगीरथ प्रयास' बनाम सांसद का 'पत्राचार': ग्वालियर से पुणे और दिल्ली के लिए नई उड़ानों की सौगात मिलते ही श्रेय लेने की होड़ शुरू हो गई है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने इसे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का 'भगीरथी प्रयास' करार दिया, तो स्थानीय सांसद ने स्थानीय एयरपोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष होने के नाते अपने पत्राचार और प्रयासों का हवाला दिया। लेकिन, हकीकत यह है कि यह

'क्रेडिट वॉर' केवल उस 1 प्रतिशत आबादी के लिए है जो हवाई सफर करती है। शहर का 99 प्रतिशत मध्यम और निम्न वर्ग आज भी खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है।

इंदौर-भोपाल में मेट्रो, ग्वालियर में 'विक्रम' का जानलेवा सफर: ग्वालियर के विकास की तुलना जब इंदौर और भोपाल से होती है, तो तस्वीर काफी धुंधली नज़र आती है। जहाँ प्रदेश के अन्य महानगरों में मेट्रो और आधुनिक सिटी बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं, वहीं ग्वालियर आज भी पुराने 'विक्रम' टेंपो और अनियंत्रित ई-रिक्शा के भरोसे है। सुरक्षा का अभाव: ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारी और सड़कों पर उनकी मनमानी जानलेवा साबित हो रही है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत आने वाली अत्याधुनिक बसों का इंतजार सालों से खत्म नहीं हो रहा है।

जनता की तीखी प्रतिक्रिया

हवाई जहाज नहीं, बस चाहिए- स्थानीय निवासी संजय राठौर का कहना है कि, वोटर जमीन पर है, हवा में नहीं, नेताओं को यह समझना होगा कि चुनाव सड़कों पर लड़ा जाता है, रनवे पर नहीं।

लोकल किराए में हो रहा दोगुना खर्च- राम कुमार छात्र रामकुमार ने तीखे अंदाज में कहा, सिटी बस न होने के कारण छात्रों और कामकाजी लोगों को ऑटो और ई-रिक्शा को भारी किराया देना पड़ रहा है।

ग्वालियर के साथ विकास में हो रहा भेदभाव- सारस्वत एडवोकेट योगिता सारस्वत ने कहा, यह एक ज्वलंत मुद्दा है जो शहर के विकास में 'प्राथमिकता' और 'जमीनी हकीकत' के बीच की खाई को दर्शाता है। अगर इंदौर-भोपाल में मेट्रो आ सकती है, तो ग्वालियर में महज चंद बसें शुरू करने में सालों का 'व्यवधान' क्यों?

मुनिराजों ने की जिन सहस्त्रनाम शांतिधारा

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 19अप्रैल. जैन उपाध्याय श्री विनिश्चल सागरजी ओर मुनिराजों ससंघ के सानिध्य और सकल जैन समाज ग्वालियर के तत्वाधान में जिन सहस्त्रनाम शांतिधारा एवं भक्तामर विधान का आयोजन आज रविवार को नई सड़क स्थित चंपाबाग धर्मशाला में आयोजित किया गया। अक्षय तृतीया पर उपाध्याय श्री विनिश्चल सागर जी, मुनिश्री अनुपम सागर महाराज, मुनिश्री अनुपमा सागर महाराज, मुनिश्री विनिशोध सागर, मुनि श्री निर्मोह सागरजी ओर मुनिश्री अनंग सागर महाराज ने 1008 मंत्रो से जिन सहस्त्रनाम शांतिधारा भगवान आदिनाथ के मस्तक पर जल के कलशों से जैन समाज के पुरुष ओर युवाओं ने पीले वस्त्र ओर मुकुट लगाकर भक्ति के साथ की। इस मौके पर महेंद्र टोंग्या, विनय कासलीवाल, मुकेश पहाड़िया, शंशाक जैन, पंकज बाकलीवाल, संजीव अजमेर मौजूद थे। उपाध्याय विनिश्चल सागर , मुनिश्री अनुपम सागर, मुनिश्री अनुमान सागर सहित मुनिराजों ने 48 मंत्रो का गुड़गान कर इंद्र इन्द्रणियों ने संगीतमय पूजन कर भक्तामर मंडप पर झूमते हुए 48 महा अर्घ्य नारियल के गोले समर्पित किए।

1200 किलो हरा चारा अर्पित कर की गौसेवा, सुंदरकांड पाठ से गूंजा वातावरण

ग्वालियर. 'बजरंग भक्त मंडल' द्वारा गौमाता को लगभग 1200 किलो हरे चारे का भोग लगाया गया। साथ ही, मंडल की मासिक परंपरा के अनुसार गरिमा गोयल के निवास पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी संपन्न हुआ। मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल ने बताया कि गौसेवा के इस पुनीत कार्य में के.के राठी, अनिल गुप्ता, नमन अवस्थी, प्रमोद शर्मा, प्रसाद मुले, दीपाली शर्मा, आयुष संजीव दुबे, पूनम विनोद अग्रवाल, संतोष शिवहरे, दीपक शर्मा, राजीव जादौन, संजय श्रीवास्तव, राकेश बंसल और अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। गौसेवा के पश्चात मंडल के सदस्यों द्वारा श्रीमती गरिमा गोयल के निवास पर नि:शुल्क संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

अमरनाथ यात्रा के लिए इन 5 अस्पतालों में बन रहे नि :शुल्क स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

कलेक्टर के निर्देश पर सुविधा शुरू,जून से अगस्त तक की यात्रा के लिए तैयारी

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 19अप्रैल. बाबा बर्फानी के दर्शन की इच्छा रखने वाले अमरनाथ यात्रियों के लिए जिले के पांच प्रमुख अस्पतालों को चिन्हित किया है, जहाँ यात्री अपना अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र पूरी तरह नि:शुल्क बनवा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि जून से अगस्त 2026 के बीच होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए इच्छुक श्रद्धालुओं को निर्धारित प्रारूप पर चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है।

परेशान न हों यात्री, सीधे केंद्र पहुँचें: सीएमएचओ डॉ. श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया है कि अमरनाथ यात्रा के लिए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र एक अनिवार्य दस्तावेज है। यात्रियों को निजी अस्पतालों के चक्कर न काटने पड़ें और उनकी जेब पर अतिरिक्त भार न पड़े, इसीलिए इन सरकारी संस्थाओं में नि:शुल्क व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। यात्री अपने साथ आधार कार्ड और यात्रा के निर्धारित फॉर्म की प्रतियां लेकर समय पर संबंधित अस्पताल पहुँच सकते हैं।

इन केंद्रों पर मिल रही सुविधा

जिला चिकित्सालय, मुरार डॉ. नरेंद्र लच्छवानी एवं डॉ. मुकेश सिंह तोमर, सिविल अस्पताल, हजीरा डॉ. वीरपाल सिंह यादव, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बीरपुर डॉ. कमलेश गुप्ता, सिविल डिस्पेंसरी, हाईकोर्ट (सिटी सेंटर) डॉ. सीमा जायसवाल, सिविल डिस्पेंसरी, लधेड़ी डॉ. पी.एस. बाथम।

मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह 14 जून को

ग्वालियर। जन उत्थान न्यास द्वारा 14 जून को संस्कृति गार्डन ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में कक्षा 10 वीं, कक्षा 12 वीं एवं सी.बी.एस.ई के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। यह जानकारी न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ.सतीश सिकरवार ने दी । मेधावी छात्र-छात्राओं में 75 प्रतिशत अथवा इससे अधिक प्रतिशत प्राप्त करने वालों को शामिल किया जाएगा। फार्म 22 अप्रैल से ललितपुर कॉलोनी स्थित कार्यालय, लक्की मोबाईल स्टोर गोला का मंदिर चौराहा से प्राप्त किए जा सकेंगे तथा फार्म 30 मई तक जमा करने होंगे।

अक्षय तृतीया पर हुआ सामूहिक विवाह सम्मेलन

73 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 19 अप्रैल.अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर ग्वालियर जिले में डबरा स्थित मंडी प्रांगण में मुख्यमंत्री कन्यादान व निकाह योजना के अंतर्गत विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ। इस अवसर पर कुल 73 जोड़ों ने अपने रीति-रिवाजों एवं निकाह की परंपराओं के अनुसार दाम्पत्य सूत्र में बंधन में बंधकर गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया। इन विवाहों में 67 हिंदू मान्यताओं के अनुसार व 4 विवाह बौद्ध परंपरा के अनुसार सम्पन्न हुए। साथ ही 2 निकाह भी इस आयोजन में हुए। प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह व निकाह कराए जाते हैं। कार्यक्रम में प्रदेश की पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रवेश गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। साथ ही नवदंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद एवं सफल दांपत्य जीवन की कामना की। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि यह योजना सामाजिक सहयोग और संवेदनशीलता का सशक्त उदाहरण है, जो जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बन रही है। आयोजन में हिंदू, बौद्ध एवं मुस्लिम परंपराओं का सम्मान करते हुए विवाह एवं निकाह की रस्में संपन्न कराई गईं। प्रशासन द्वारा की गई सुदृढ़ व्यवस्थाओं के बीच समारोह शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ। नवदंपतियों ने एक-दूसरे का साथ निभाने का संकल्प लिया।

अक्षय तृतीया 2026 : रिकॉर्ड कीमतों के बीच म .प्र . में सोने एवं अन्य वस्तुओं की मजबूत मांग

नवभारत न्यूज ग्वालियर

19अप्रैल. 'कभी न घटने वाली समृद्धि' का प्रतीक मानी जाने वाली अक्षय तृतीया मध्यप्रदेश के वासियों के मन में गहरी आस्था और आर्थिक महत्व के साथ मनाई जाती है भारत में आज भी गहरी आस्था और आर्थिक महत्व के साथ मनाई जाती है।

सोना-चांदी की कीमतों में अभूतपूर्व बढ़ोतरी के बावजूद आज अक्षय तृतीया के दिन देश भर में लगभग 1500 करोड़ के व्यापार का अनुमान है। यह पिछले वर्ष के लगभग 1200 करोड़ के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। यह जानकारी कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दी। अकेले इंदौर और भोपाल में यह व्यापार लगभग 500 करोड़ रुपए के आसपास रहेगा। कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने कहा कि अक्षय तृतीया पारंपरिक रूप से सोना खरीदने के लिए देश के सबसे शुभ अवसरों में से एक रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किया गया निवेश स्थायी समृद्धि लेकर आता है। उन्होंने कहा, 'हालांकि सोना अभी भी खरीद का केंद्र बना हुआ है, लेकिन तेज़ी से बढ़ती कीमतों के चलते खरीद के स्वरूप में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है।'इस वर्ष सोने की कीमतें पिछले वर्ष के लगभग 1,00,000 प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1.58 लाख तक पहुँच गई हैं, जबकि चांदी 85,000 प्रति किलो से बढ़कर 2.55 लाख प्रति किलो के ऐतिहासिक स्तर पर पहुँच गई है। कीमतों में इस तीव्र वृद्धि ने उपभोक्ता व्यवहार में बड़ा बदलाव ला दिया है। ऊंची कीमतों के बावजूद मांग कमजोर नहीं हुई है, बल्कि खरीदारी अब अधिक सोच-समझकर और मूल्य-आधारित हो रही है। कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने कहा कि म.प्र. के ज्वैलर्स ने बदलते रुझानों के अनुसार अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है। 'हल्के वजन के आभूषण, रोज़मर्रा में पहने जाने वाले डिज़ाइन, चांदी और हीरे के उत्पादों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही मेकिंग चार्ज में छूट और छोटे गोल्ड कॉइन जैसे आकर्षक ऑफर्स से ग्राहकों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जहां एक ओर कुल व्यापार का मूल्य बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर वास्तविक मात्रा में गिरावट एक अलग ही तस्वीर पेश कर रही है।

कैट के सहयोगी संगठन ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पंकज अरोड़ा द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 16,000 करोड़ के अनुमानित सोने के व्यापार का अर्थ वर्तमान कीमतों पर लगभग 10,000 किलो (10 टन) सोने की बिक्री है। यदि इसे देशभर के अनुमानित 2 से 4 लाख ज्वैलर्स में बांटा जाए, तो प्रति ज्वैलर औसतन केवल 25 से 50 ग्राम सोने की बिक्री होती है, जो मात्रा में स्पष्ट गिरावट को दर्शाता है। इसी प्रकार 4,000 करोड़ के चांदी के व्यापार का अर्थ लगभग 1,56,800 किलो (करीब 157 टन) चांदी की बिक्री है, जिससे प्रति ज्वैलर औसतन केवल 400 से 800 ग्राम चांदी की बिक्री होती है।

अरोड़ा ने कहा, 'ये आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि कीमतों में वृद्धि के कारण व्यापार का मूल्य तो बढ़ रहा है, लेकिन वास्तविक खपत घट रही है। यही वजह है कि इस वर्ष बाजार में हल्के आभूषण और छोटे सिक्कों की मांग अधिक है।' उन्होंने यह भी कहा कि कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण ज्वैलर्स के लिए स्टॉक प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गया है। इसके बावजूद त्योहार की सकारात्मक भावना के चलते बाजारों में अच्छी ग्राहकी देखी जा रही है। उपभोक्ता अब पारंपरिक आस्था के साथ-साथ आर्थिक समझदारी को ध्यान में रखते हुए सीमित और विवेकपूर्ण निवेश कर रहे हैं। इसके साथ ही डिजिटल गोल्ड, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड जैसे वैकल्पिक निवेश विकल्पों की ओर भी लोगों का रुझान बढ़ रहा है, जो अधिक तरलता, सुरक्षा और लचीलापन प्रदान करते हैं। कैट और एआईजेजीएफ ने सभी ज्वैलर्स से अपील की है कि वे अनिवार्य हॉलमार्किंग का सख्ती से पालन करें।